

दुलाई का खोल, उसके ऊपर का कपड़ा 4. किवाड़  
5. फा. दे. परला 6. पलड़ा।

**पल्लि** पुं. (तत्.) दे. पल्ली।

**पल्लिका स्त्री.** (तत्.) 1. छोटा गाँव, बस्ती, पुरा  
2. छिपकली।

**पल्ली स्त्री** (तत्.) 1. छोटा गाँव, खेड़ा, टोला 2.  
पर्णशिला, कुटिया 3. भूमि पर फैलने वाली लता,  
विसर्पी लता (क्रीपर) 4. छिपकली।

**पल्लू** पुं. (देश.) 1. आँचल, दामन, छोर 2. पट्टा,  
चौड़ी गोट 3. घूँघट।

**पल्लेदार** पुं. (तद्.+फा.) 1. अनाज ढोने वाला  
मजदूर 2. अनाज या गल्ला तोलने वाला  
व्यक्ति **वि.** 1. जिसमें पल्ले लगे हों 2.  
अपेक्षाकृत ऊँचा या जोरदार स्वर, पल्लेदार की  
आवाज।

**पल्लेदारी स्त्री.** (तद्.+फा.) 1. अनाज या गल्ला  
उठाकर खरीददार के घर या दुकान तक पहुँचाने  
का काम 2. अनाज की दुकान पर अनाज तोलने  
का काम 3. अनाज की दुकान पर गल्ला  
उठाकर तुलवाने का काम।

**पल्वल** पुं. (तत्.) छोटा तालाब या गड्ढा, जलाशय।

**पल्वलावास** पुं. (तत्.) पल्लववासी, कछुआ।

**पव** पुं. (तत्.) 1. वायु, हवा 2. अनाज की भूसी साफ  
करना, ओसाना, बरसाना।

**पवन** पुं. (तत्.) 1. वायु, हवा 2. वायु के अधिष्ठाता  
देव मरुत 2. पाँच तत्वों में से दूसरा, स्पर्शगुण  
तत्व, वायु 4. प्राणवायु।

**पवनकुमार** पुं. (तत्.) 1. पवन-पुत्र हनुमान 2. भीम।

**पवनचक्की स्त्री.** (तद्.) 1. हवा के बल से चलने  
वाली चक्की।

**पवनचक्र** पुं. (तत्.) चक्रवात, बवंडर।

**पवनज** पुं. (तत्.) दे. पवन कुमार।

**पवनतनय** पुं. (तत्.) दे. पवन कुमार।

**पवननंद** पुं. (तत्.) दे. पवन कुमार।

**पवनपति** पुं. (तत्.) वायु के अधिष्ठाता देवता,  
'मरुत्'।

**पवन परीक्षा स्त्री.** (तत्.) (ज्यों.) आषाढ़-शुक्ल  
पूर्णिमा के दिन वायु की दिशा को देखकर ऋतु  
का भविष्य बताना।

**पवन पुत्र** पुं. (तत्.) दे. पवन कुमार।

**पवनबाण** पुं. (तत्.) 1. पवन अस्त्र 2. ऐसा बाण  
जिसके चलाने से हवा तीव्र गति से प्रवाहित होने  
लगती है।

**पवन वाहन** पुं. (तत्.) अग्नि।

**पवन व्याधि स्त्री.** (तत्.) 1. वात रोग, वायुरोग।

**पवनसुत** पुं. (तत्.) दे. पवन कुमार।

**पवनात्मज** पुं. (तत्.) 1. हनुमान 2. भीमसेन 3.  
अग्नि।

**पवनाल** पुं. (तत्.) धान्य विशेष, पुनेरा नामक  
धान्य।

**पवनाश** पुं. (तत्.) 1. पवन पात्र या हवा पीकर  
रहने वाला 2. सर्प, साँप, नाग।

**पवनाशनाश** पुं. (तत्.) 'पवनशितों' अर्थात् सर्प है  
भोजन जिसका 1. गरुड़ 2. मोर।

**पवनाशी** पुं. (तत्.) पवनाश।

**पवनास्त्र** पुं. (तत्.) पुराणों के अनुसार एक प्रकार  
का अस्त्र, ऐसा अस्त्र जिसके चलने से युद्ध में  
तेज आँधी चलने लगती है।

**पवनाहत** वि. (तत्.) वातरोगी, वात रोग से पीड़ित।

**पवनेष्ट** पुं. (तत्.) 'बकायन' नामक औषधि।

**पवमान** पुं. (तत्.) 1. पवन, वायु, समीर 2. अग्निदेव  
के एक पुत्र का नाम जो स्वाहा देवी के गर्भ से  
उत्पन्न हुआ था 3. गार्हपत्य अग्नि 4. एक  
विशिष्ट वैदिक स्तोत्र जो ज्योतिष्टोम यज्ञ के  
अवसर पर गाया जाता है।